P-297

Total Pages : 3 Roll No. .....

BASL-201

पद्य गद्य एवं व्याकरण

Bachelor of Arts (BA)

2nd Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. अधोलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

(क) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः।।

(ख) यं सर्वशैलाः परिकल्प्य वत्सं मेरौ स्थिते दोग्धरि दोहदक्षे।

भास्वन्ति रत्नानि महौषधीश्च पृथूपदिष्टां दुदुहुर्धरित्रीम्।।

2. महाकवि भारवि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए।

3. गद्य काव्य परम्परा का वर्णन विस्तारपूर्वक कीजिए।

4. सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए :

(क) हरये।

(ख) सुद्धयुपास्यः।

(ग) गड्गौघः।

(घ) दैत्यारिः।

5. लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार आभ्यंतर एवं बाह्यप्रयत्नों का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. कुमारसंभव का नखसिखवर्णन कीजिए।

2. निम्नलिखित सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या लिखिए :

(क) आदिरन्त्येन सहेता।

(ख) इको यणचि।

3. वृद्धि संधि की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

4. अधोलिखित सूक्ति की व्याख्या कीजिए :

'प्रिये सौभाग्यफला हि चारुता'।

5. अधोलिखित गद्य की हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलपक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः अनुज्जिधवलतापि सरागेव भवति यूनां दृष्टिः अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया यौवनसमये पुरुष प्रकृतिः।

6. अधोलिखित श्लोक की व्याख्या कीजिए :

उन्मीलितं तूलिकयेव चित्रं सूर्याशूभिर्भित्रमिवारविन्दम्।

बबूल तस्याश्चतुरस्त्रशोभि वपुर्विभक्तं नवयौवनेन।।

7. किरातार्जुनीय के अनुसार किरात का चरित्र चित्रण कीजिए।

8. शुकनासोपदेश का संक्षेप में वर्णन कीजिए।